मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 238 ■ गुरुवार 18 दिसंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन पर FIR दर्ज

अंबरनाथ में फायरिंग से दहशत

अराजकता | **BJP प्रत्याशी पवन वालेकर के कार्यालय पर हेलमेट धारक युवक ने की 4 राउंड फायरिंग**

अंबरनाथ में आगामी 20 दिसंबर को मतदान होने जा रहा है ऐसे में कल मंगलवार देर रात को हेलमेट धारी बाईक पर सवार दो युवकों ने भाजपा उम्मीदवार पवन वालेकर के कार्यालय पर चार राउंड फायर किया है। इस फायरिंग में किसी के हताहत की खबर नहीं है। लेकिन भाजपा उम्मीदवार पवन वालेकर ने आरोप लगाया है कि शिवसेना नेता अरविंद वालेकर, राजू वालेकर इस फायरिंग के पीछे है। इस फायरिंग से शहर में दहशत का माहौल है। वहीं कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं क्योंकि बुधवार को अंबरनाथ शहर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रचार सभा का आयोजन किया गया था। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस हमलावर को ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। इस फायरिंग का असर चुनाव पर भी देखने को मिलेगा।

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज अंबरनाथ में
- मंगलवार देर रात की घटना
- शिवसेना पर फायरिंग कराने का आरोप
- घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद
- शहर में दशहत का माहौल

▸▸ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में खड़े भाजपा उम्मीदवार पवन सुरेश वालेकर के शहर पश्चिम में नया भेंडीपाड़ा स्थित कार्यालय में मंगलवार रात 12.15 बजे दो अज्ञात बाइक सवार ने चार राउंड फायरिंग की, जिससे शहर में सनसनी फैल गई है. चुनाव का माहौल एकदम गरमा गया है. कोई जनहानि की खबर नहीं है. हमलावरों को तलाशने के लिए पुलिस ने जोन की 3 टीम एवं क्राइम ब्रांच की एक टीम प्रयास कर रही है. पवन वालेकर ने तीन लोगों के नाम लिए हैं, लेकिन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है. दरम्यान शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर एवं पवन वालेकर जो कि चाचा-भतीजे हैं और दोनों खुंटवली में पड़ोस में ही रहते हैं. दोनों के निवास स्थान के बाहर पुलिस का बंदोबस्त बढ़ा दिया गया है.

रात में हुई फायरिंग की घटना पवन के कार्यालय के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है. जिसमें साफ देखा जा सकता है कि दो बाइक सवार, जिन्होंने हेल्मेट पहन रखा है. कार्यालय के बाहर बाइक को रोकते हैं और चार राउंड फायर करके बदलापुर की ओर चले जाते हैं. फायरिंग के बाद एक सुरक्षा रक्षक उस बाइक का पीछा करता है.

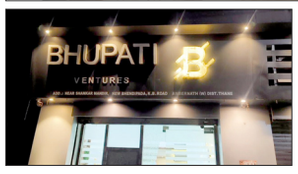

विदित हो कि शहर के इतिहास में अब तक सात दिग्गज नेताओं की हत्या हो चुकी है. फायरिंग की घटना ने चुनाव के माहौल को एकदम गरमा दिया है. दूसरी ओर शाम में मुख्यमंत्री के आने की खबर से पुलिस एकदम सतर्क हो गई है. खबर लिखे जाने तक आरोपियों को पकड़ने के लिए शहर के कई सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है. खबर लिखे जाने तक आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं.

घटना के बाद शिवसेना की ओर से बुधवार शाम में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे को एक निवेदन देकर इस हमले का निषेध व्यक्त करते हुए गोपाल लांडगे ने पत्रकारों को बयान दिया है कि पवन वालेकर पर हुए हमले के आरोपी को पुलिस जल्द पकड़ कर जनता के समक्ष लाकर न्याय दिलाएं. उन्होंने कहा कि चुनाव शांति से चल रहा था. माहौल को बिगाड़ने का कार्य किया गया है.

जान से मारने का प्लान था : पवन वालेकर

फायरिंग के समय पवन वालेकर कार्यालय में मौजूद थे. उन्होंने कहा है कि उन्हें जान से मारने का प्लान था. फायरिंग से कार्यालय के शीशे में दो सुराख हो गए हैं. पुलिस को कुछ गोली के खोखे भी मिले हैं. इस फायरिंग की चर्चा पूरे शहर में है. फायरिंग की घटना के बाद गुलाब करंजुले, पवन वालेकर एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता पुलिस स्टेशन गए और धरने पर बैठकर मांग करने लगे कि वह जिन लोगों के नाम ले रहे हैं, उन पर अपराध दर्ज किया जाए. लेकिन पुलिस ने अज्ञात के विरोध में मामला दर्ज करके सहायक पुलिस आयुक्त काले ने कहा है कि आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़कर जनता के समक्ष लाया जाएगा. इस फायरिंग के बाद पूरे शहर में हड़कम्प मच गया है. कांग्रेस शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल ने कहा है कि शहर में दहशत फैलाने का कार्य हो रहा है.

ईरानी गैंग का 'बड्डा' गिरफ्तार

■ 20 अपराधों का खुलासा

कल्याण. सड़क किनारे फुटपाथ पर चल रहे लोगों के गले से जबरन सोने की चेन खींचने वाले ईरानी गैंग के सदस्य अब्बास यूनिस सैयद उर्फ बड्डा (21) को ठाणे पुलिस की क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उससे ठाणे, मुंब्रा, भिवंडी, उल्हासनगर और अंबरनाथ इलाकों में हुए 20 अपराधों का खुलासा किया है।

ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में सोने की चेन चोरी को रोकने के लिए पुलिस कदम उठा रही है। ठाणे क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्रांच की भिवंडी यूनिट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर जनार्दन सोनवणे के मार्गदर्शन में सब-इंस्पेक्टर रवींद्र पाटिल और उनकी टीम नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज एक समानांतर मामले की जांच कर रही थी। उस समय, टीम ने कल्याण के अंबिवली इलाके में रहने वाले ईरानी गैंग के सदस्य अब्बास (बड्डा) की तलाश शुरू की।

अब्बास के कर्नाटक के बीदर इलाके में होने की सूचना मिलने के बाद, टीम ने उसे बीदर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने ठाणे, मुंब्रा, भिवंडी, उल्हासनगर और अंबरनाथ इलाकों में 20 क्राइम करने की बात कबूल की। पुलिस ने उसके पास से 232.5 ग्राम सोने के गहने जब्त किए, जिनकी कीमत 30 लाख 22 हजार 500 रुपये है। टीम ने बताया कि अब्बास का क्रिमिनल बैकग्राउंड रहा है। यह कार्य अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. पंजाबराव उगले, उपायुक्त अमरसिंह जाधव, सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में पुलिस की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया.

भाजपा द्वारा इच्छुक प्रत्याशियों का लिया जा रहा इंटरव्यू

■ 450 इच्छुक उम्मीदवारों ने फार्म भरा

उल्हासनगर. 15 जनवरी को होने जा रहे उल्हासनगर मनपा चुनाव को देखते हुए बुधवार 17 दिसंबर को भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया की देखरेख में इच्छुक उम्मीदवारों से साक्षात्कार लिया जा रहा है। श्री वधरिया ने कहा कि 78 सीटों के लिए हमारे पास करीब 450 इच्छुक उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे हैं। हमने पैनल 1 से इच्छुक उम्मीदवारों के साक्षात्कार शुरू कर दिए हैं। सुशिक्षित डॉक्टर, सीए, वकील जिनमें ज्यादातर युवा व महिलाएं हैं उन्होंने चुनाव में अपनी रुचि दिखाते हुए फॉर्म भरे हैं। समाजसेवा में उनके कार्यों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अंबरनाथ दौरे के चलते आज ज्यादा पैनलों के साक्षात्कार नहीं हो पाए हैं लेकिन यह साक्षात्कार लगातार जारी रहेंगे और इनमें से सक्षम इच्छुकों उम्मीदवारों को ही टिकट दिया जाएगा।

■ टीओके युवा नेता भाजपा में शामिल

टीम ओमी कालानी के युवा नेता एड. भरत शिवनानी ने कल भाजपा में प्रवेश कर लिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए टीओके को छोड़ दिया है। इस पक्ष प्रवेश से कालानी को बड़ा झटका मिला है। युवाओं को टिकट न देने का नतीजा टीओके को उठाना पड़ रहा है। श्री वधरिया ने कहा कि युवाओं का पार्टी में स्वागत है इससे युवाओं की ताकत बढ़ेगी।

लीज़ वाले प्रॉपर्टी के टैक्स में बदलाव का प्रस्ताव

■ उल्हासनगर मनपा की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन सिस्टम में बड़े बदलाव के लिए एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है. इसके अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 से लीज़ पर रेजिडेंशियल और नॉन-रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ के लिए एक सही, मुमकिन टैक्स स्ट्रक्चर लागू होने की पूरी संभावना है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए कमाई का सबसे ज़रूरी ज़रिया प्रॉपर्टी टैक्स है। अभी, शहर में लगभग एक लाख 83 हज़ार प्रॉपर्टीज़ हैं, और महाराष्ट्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट के सेक्शन 127, 128, 129 और शेड्यूल 'D' के नियमों के मुताबिक टैक्स लगाया जाता है। लीज़ पर दी गई प्रॉपर्टीज़ से मिलने वाले असल या उम्मीद के मुताबिक किराए में से जो ज़्यादा हो, उस पर टैक्स लगाने का मौजूदा तरीका है। लेकिन, कई प्रॉपर्टी मालिक रजिस्टर्ड रेंटल एग्रीमेंट जमा नहीं करते हैं, इसलिए टैक्स अनुमानित किराए के आधार पर तय किया जाता है। इस वजह से कुछ जगहों पर कम किराया दिखाकर टैक्स से बचा जाता है, जबकि कई मामलों में ज़्यादा टैक्स वसूली की शिकायतें लगातार मनपा के पास आ रही थीं।

खासकर, प्रॉपर्टी मालिकों को पैसे की दिक्कत हो रही थी क्योंकि कमर्शियल और कमर्शियल लीज़होल्ड प्रॉपर्टी पर मौजूदा टैक्स वसूली सीधे छह से सात महीने के किराए के बराबर है। इस गंभीर मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को पत्र लिखकर सही फैसला लेने की मांग की थी। इस बैकग्राउंड में, प्रशासन के ध्यान में आया कि प्रॉपर्टी मालिकों को मिलने वाली किराए की इनकम, GST, इनकम टैक्स, बिल्डिंग के रखरखाव और मरम्मत और दूसरे बिजनेस खर्चों को देखते हुए मौजूदा टैक्स सिस्टम अफोर्डेबल नहीं था। इसलिए, टैक्स वसूली में एक जैसापन लाने और रिकवरी बढ़ाने के दोहरे मकसद से एक नई पॉलिसी बनाई गई है।

प्रशासन का मानना है कि नए टैक्स स्ट्रक्चर से टैक्स वसूली में अंतर कम होगा, शिकायतों पर रोक लगेगी और नागरिकों का टैक्स देने का रुझान बढ़ेगा। इससे मनपा की फाइनेंशियल इनकम को स्थिर करने और बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

कारोबारियों को राहत...

दूसरी महानगर पालिकाओं की स्टडी करने पर कल्याण-डोंबिवली मनपा का आइडियल मॉडल सामने आया है। वहां, 2025-26 से लीज़ पर रेजिडेंशियल और नॉन-रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ के लिए बेसिक टैक्स का तीन गुना रेट पर टैक्स कलेक्शन लागू किया गया है। इसकी तुलना में, यह साफ़ हो गया है कि उल्हासनगर में अभी टैक्स की रकम ज़्यादा है। इसी तरह, उल्हासनगर मनपा एरिया में लीज़ पर रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ के लिए बेसिक टैक्स का तीन गुना और नॉन-रेजिडेंशियल, यानी कमर्शियल और कमर्शियल प्रॉपर्टीज़ के लिए बेसिक टैक्स का चार गुना रेट पर प्रॉपर्टी टैक्स लगाने का प्रपोज़ल रखा गया है। यह बदलाव सिर्फ़ लीज़ पर दी गई प्रॉपर्टीज़ तक ही लिमिटेड रहेगा, जिससे कारोबारियों और कमर्शियल प्रॉपर्टी मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

नैना का मेजरमेंट अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

नवी मुंबई. एंटी-करप्शन ब्यूरो ने लैंड रिकॉर्ड्स ऑफिस के एक सब-इंस्पेक्टर को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट इन्फ्लुएंस एरिया (नैना) के तहत प्लॉट मेज़रमेंट के सरकारी काम के लिए 6 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। इस मामले में उप अधीक्षक रैंक के एक अधिकारी को भी हिरासत में लिया गया है और इस कार्रवाई से रेवेन्यू डिपार्टमेंट में हलचल मच गई है।

यह ट्रैप कार्रवाई एंटी-करप्शन ब्यूरो, नवी मुंबई यूनिट ने की। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक, कामोठे का एक 27 साल का युवक एक डेवलपर के लिए काम करता है और उसे डेवलपर्स द्वारा खरीदे गए TPS-1 में प्लॉट नंबर 27 को मेज़र करने और इस बारे में एक ऑफिशियल लेटर लेने के लिए एक अथॉरिटी लेटर दिया गया था। इसके मुताबिक, शिकायत करने वाले ने डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ लैंड रिकॉर्ड्स (नैना) ऑफिस में अप्लाई किया था।

गड्ढों और मेनहोल के हादसों में मरने वालों को 6 लाख रुपये का मुआवजा!

■ उल्हासनगर महानगर पालिका का फैसला

उल्हासनगर. हाई कोर्ट के आदेश से उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सड़कों पर गड्ढों और खुले मैनहोल की वजह से हुए हादसों से प्रभावित लोगों को बड़ी राहत मिली है. उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा देने का एक अहम फैसला लिया है। मनपा की ओर से हादसे में मरने वाले व्यक्ति के परिजनों को 6 लाख रुपये और घायलों को 2.5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुंबई हाई कोर्ट में दायर एक याचिका की सुनवाई में कोर्ट ने सड़कों पर गड्ढों और मैनहोल में गिरने से मरने या घायल होने वालों को आर्थिक मुआवजा देने का आदेश दिया है। इन आदेशों को लागू करते हुए मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने 7 लोगों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है। यह कमेटी इस मुआवजे के हकदार मामलों की पूरी जांच और जांच करेगी। यह कमेटी प्रभावित लोगों की पूरी जांच और पूछताछ करेगी। बाद में, कमेटी एक डिटेल्ड रिपोर्ट तैयार करके म्युनिसिपल कमिश्नर को सौंपेगी। कमेटी की सिफारिश के बाद ही पीड़ितों या उनके परिवारों को ऊपर बताई गई मदद दी जाएगी।

कमेटी में बड़े अधिकारी शामिल हैं। इसमें म्युनिसिपल कमिश्नर, ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ सेक्रेटरी, सिटी इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर, संबंधित पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर और दूसरे अधिकारी शामिल हैं। इस फैसले से सड़क की खराबी के शिकार हुए नागरिकों के परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

अधूरे डामरीकरण से वालधुनी पुल पर वाहन चालकों को खतरा

अंबरनाथ. अंबरनाथ को उल्हासनगर शहर से जोड़ने वाली वालधुनी नदी के ब्रिज पर किया गया आंशिक डामरीकरण ड्राइवरों के लिए खतरनाक होता जा रहा है. सड़क का आधा हिस्सा तो चिकना है, लेकिन बाकी हिस्से में गड्ढे हैं, जिससे यह सड़क ड्राइवरों के लिए खतरा बन गई है.

उल्हासनगर शहर को जोड़ने वाले प्राचीन शिव मंदिर के बगल में स्थित यह सड़क मानसून के दौरान बुरी तरह खराब हो गई थी. नगर निगम प्रशासन द्वारा पहले किया गया डामरीकरण बारिश के पानी में बह गया और सड़क पर फिर से गड्ढे हो गए हैं. हालांकि, पक्के उपाय करने के बजाय, चुनाव से ठीक पहले और आचार संहिता लागू होने के बावजूद रात में डामरीकरण करने की कोशिश की गई.

उल्हासनगर और अंबरनाथ शहर की ओर जाने वाली वालधुनी नदी पर बने पुल पर सड़क का डामरीकरण भी अधूरा है। सड़क के दोनों तरफ डामरीकरण अधूरा होने से ड्राइवर गुमराह हो रहे हैं। क्योंकि सड़क का एक हिस्सा चिकना दिखता है, इसलिए ड्राइवरों को लगता है कि पूरी सड़क अच्छी है। लेकिन, अचानक गड्ढे दिखने से हादसों की संभावना बढ़ गई है।

महापौर और आयुक्त को नए साल में मिलेगा बंगला

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप क्रमांक 1, रीजेंसी एंटीलिया स्थित एक भूखंड पर मनपा आयुक्त और महापौर बंगलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण ने बताया कि आयुक्त बंगले का निर्माण 40 प्रतिशत पूरा हो चुका है। सरकारी आवास न होने के कारण वर्तमान आयुक्त को सेंचुरी रेयान कंपनी के गेस्ट हाउस में रहना पड़ता है। इस बीच, महापौर और आयुक्त बंगले के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मनपा की स्थापना के बाद से आयुक्त और महापौर को उचित आवास नसीब नहीं हुआ है। वर्तमान आयुक्त सेंचुरी रेयान कंपनी के गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। जबकि पिछले आयुक्त ठाणे और कल्याण के फ्लैटों में रहते थे। केवल आर. डी. शिंदे ही एकमात्र आयुक्त थे जो वीटीसी मैदान स्थित खेल परिसर में अपने परिवार के साथ रहते थे। हर बार मनपा बजट में महापौर और आयुक्त बंगले के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया जाता था। लेकिन आज तक महापौर और आयुक्त बंगले का सपना साकार नहीं हो पाया है। महापौर और आयुक्त बंगलों के लिए आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा विशेष प्रयास किए जाने के बाद, रीजेंसी एंटीलिया में दोनों बंगलों का निर्माण किया जा रहा है। दोनों बंगलों के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया गया है। मनपा आयुक्त बंगले का काम 40 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि महापौर बंगले का काम शुरू हो गया है।

कुछ राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सेंचुरी रेयान कंपनी पर संपत्ति कर कम करने का आरोप लगाया था। इस पर एक जाँच समिति गठित कर कंपनी की संपत्ति का दोबारा सर्वेक्षण कराने के संकेत दिए गए थे। हालाँकि, कंपनी की संपत्ति का सर्वेक्षण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। कहा जा रहा है कि आयुक्त को कंपनी का गेस्ट हाउस छोड़कर किसी निजी बंगले या फ्लैट में रहना चाहिए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

ईडी पर अदालतों के सवाल

देश की अदालतें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कामकाज की शैली पर अक्सर सवाल उठाती रही हैं। खुद सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया और कहा कि इसकी नकारात्मक छवि बन रही है। मगर राजनीतिक दलों के तमाम आरोपों और अदालतों की कड़ी टिप्पणियों के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली में कोई खास बदलाव नहीं आया। नतीजा यह कि मंगलवार को उसके कामकाज पर एक बार फिर सवालिया निशान लगा, जब नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की एक अदालत ने गांधी परिवार के खिलाफ आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया।

विशेष न्यायाधीश को यह कहना पड़ा कि इस मामले में दाखिल आरोपपत्र एक व्यक्ति की निजी शिकायत पर आधारित है, न कि किसी मूल अपराध से संबंधित प्राथमिकी पर। इसलिए इस पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ऐसे में गुण-दोष के आधार पर ईडी के तर्कों पर विचार करना जल्दबाजी होगी। हालांकि अदालत के इस रुख के बाद ईडी ने आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की बात कही है, लेकिन सवाल है कि उसकी साख को लेकर अविश्वसनीयता की नौबत क्यों आई।

गौरतलब है कि नेशनल हेराल्ड का मामला लंबे समय से विवादों में है। ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं तथा एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' पर आपराधिक साजिश एवं धनशोधन का आरोप लगाया था। हैरत की बात है कि महज एक शिकायत पर आरोपपत्र तैयार किया गया, जबकि इस संबंध में ईडी के पास असल में कोई प्राथमिकी नहीं थी।

हालांकि इस मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा अब प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है, जिसके समय को लेकर भी सवाल उठे हैं। दरअसल, ईडी पिछले करीब एक दशक से इस मामले को खींच रही है। वह कांग्रेस नेताओं को कई बार बुला कर पूछताछ भी कर चुकी है। राजनीतिक गलियारों में इसे एक मुद्दा भी बनाया गया, लेकिन अब तक जांच का सिरा किसी अंजाम तक नहीं पहुंचा। अदालत ने कानूनी प्रक्रिया को लेकर अब जो सवाल उठाए हैं, उसके बाद एक बार फिर ईडी को अपनी साख और छवि बचाने के लिए नए सिरे से कवायद करनी होगी।

विचार : इतिहासबोध की दिशा में सार्थक पहल

एनसीईआरटी द्वारा कक्षा सात की सामाजिक अध्ययन की नई पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटीजः इंडिया एंड बियांड-पार्ट 2' में किया गया संशोधन केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन नहीं है। यह उस वैचारिक जड़ता को तोड़ने की कोशिश है, जिसने दशकों तक भारतीय इतिहास को आधा-अधूरा, चयनात्मक और भ्रमित रूप में विद्यार्थियों के सामने रखा। यह पहल इतिहासबोध की पुनर्स्थापना की दिशा में एक साहसिक और आवश्यक कदम है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय इतिहास-लेखन पर एक खास वैचारिक प्रभुत्व हावी रहा।

इसके अंतर्गत मध्यकालीन भारत के आक्रमणों को या तो संक्षेप में प्रस्तुत किया गया या उन्हें केवल साम्राज्य-विस्तार और आर्थिक लूट के सीमित दायरे में देखा गया। मंदिर-विध्वंस, धार्मिक उत्पीड़न, गैर-मुसलमानों के व्यापक नरसंहार, दास-व्यापार और ज्ञान-केंद्रों के सुनियोजित विनाश जैसे तथ्य या तो दबा दिए गए या 'सुल्तानों-राजाओं के युद्ध' बताकर खारिज कर दिए गए। इससे भी आगे बढ़कर इन आक्रमणों के पीछे सक्रिय उस वैचारिक मानसिकता पर लगभग मौन साध लिया गया, जो 'कुफ्र-काफिर' की अवधारणा में विश्वास करती है। नतीजा यह हुआ कि इतिहास का एक निर्णायक और पीड़ादायक पक्ष पीढ़ियों तक छात्रों की समझ से बाहर ही रहा।

एनसीईआरटी की नई पुस्तक इतिहास को किसी वैचारिक सुविधा के अनुसार नहीं, बल्कि प्रमाणिक स्रोतों और ठोस ऐतिहासिक संदर्भों के आधार पर प्रस्तुत करती है। सच को सच कहना सांप्रदायिकता नहीं, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी का परिचायक है। इस पुस्तक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि यह भारतीय इतिहास को दिल्ली और उत्तर भारत-केंद्रित दृष्टिकोण की सीमाओं से मुक्त करती है। इसमें काकतीय, चालुक्य, पल्लव, होयसल, पूर्वी गंग, ब्रह्मपाल जैसे वंशों के साथ-साथ भंजा, गुहिल, कलचुरी, मैत्रक, मौखरी, शिलाहार, सोमवंशी, तोमर और चैहमान (चौहान) जैसे अनेक राजवंशों के योगदान को भी समुचित स्थान दिया गया है। इस पुस्तक में मंदिर स्थापत्य को केवल पूजा-स्थल या धार्मिक प्रतीक भर मानकर नहीं देखा गया है, बल्कि उसे मध्यकालीन भारतीय समाज की शिक्षा, कला, विज्ञान और सामुदायिक जीवन के जीवंत केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

बेलूर–हलेबिडु के होयसल मंदिरों की अद्वितीय सूक्ष्म नक्काशी हो या फिर एलोरा का कैलाशनाथ मंदिर, ये सभी उस तकनीकी दक्षता, स्थापत्य-ज्ञान और सौंदर्य-बोध के ठोस प्रमाण हैं, जिस पर भारत की सभ्यता सदियों तक खड़ी रही। यह प्रस्तुति उस लंबे समय से प्रचारित मिथक को स्वतः ध्वस्त करती है कि मध्यकालीन भारत बौद्धिक, वैज्ञानिक या रचनात्मक रूप से किसी प्रकार पिछड़ा हुआ था। पुस्तक में सम्मिलित 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'इंडिया, ए होम टू मेनी' जैसे अध्याय भारत के उस सभ्यतागत आत्मा को सामने लाते हैं, जिसकी जड़ें सहिष्णुता, सह-अस्तित्व और सम्मान में रची-बसी हैं। यहूदी और पारसी समुदायों को न केवल शरण देना, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान करना भारतीय समाज की ऐतिहासिक परंपरा रही है। नई पुस्तक में जोड़ा गया 'इंडिया एंड हर नेबर्स' अध्याय में पाकिस्तान के संदर्भ में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उसका निर्माण धार्मिक आधार पर हुआ और विभाजन ने चुनौतियां कम नहीं कीं, अपितु भारतीय मानस को गहरे घाव दिए। यह प्रस्तुति उस वैचारिक भ्रम को तोड़ती है, जिसके अनुसार भारत-पाक विभाजन एक राजनीतिक दुर्घटना मात्र थी। पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों को साझा सभ्यतागत विरासत के संदर्भ में समझाने का प्रयास छात्रों को व्यापक दृष्टि प्रदान करता है।

वामपंथी खेमा सर्वाधिक असहज उन अध्यायों को लेकर है, जिनमें महमूद गजनवी, मोहम्मद गोरी और बख्तियार खिलजी के आक्रमणों का विस्तृत वर्णन किया गया है। कारण स्पष्ट है, क्योंकि पहली बार विद्यालयी पाठ्यक्रम में इन आक्रमणों को उनकी वास्तविक वैचारिक पृष्ठभूमि के साथ प्रस्तुत किया गया है। गजनवी के 17 आक्रमण-सोमनाथ मंदिर का विध्वंस, मथुरा और कन्नौज के देवालयों का नाश, बड़े पैमाने पर नरसंहार और स्त्री-बच्चों को दास बनाकर गजनी ले जाना, ये सब अब 'कथा' नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्य के रूप में सामने हैं।

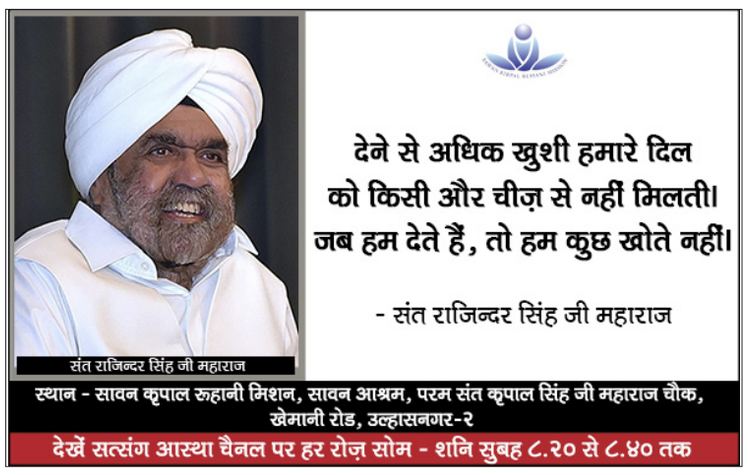

हाईवे पर हो रही मौतों के लिए कौन जिम्मेदार?

पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जिस तरह के हादसे हुए, उसमें वाहन चालकों की लापरवाही या चूक को जिम्मेदार बताया जा सकता है। मगर सड़क किनारे बने ढाबे या होटल भी इसका बड़ा कारण बन रहे हैं, क्योंकि अक्सर इनके सामने ट्रक या अन्य वाहन खड़े कर दिए जाते हैं और वहां से गुजरने वाली कोई अन्य गाड़ी उनसे टकरा जाती है। ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिसमें पिछले महीने की शुरुआत में राजस्थान के फलोदी में एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने की घटना ने सबका ध्यान खींचा था। उसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह लोगों की जान चली गई थी।

इस घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और ऐसे हादसों को लेकर चिंता जताई थी। उसी मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआइ और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बने अवैध ढाबे तथा होटल सड़क हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं और इसे रोकने के लिए पूरे देश में लागू होने वाले दिशा-निर्देशों पर विचार किया जाएगा।

यह कोई छिपी बात नहीं है कि लंबी

दूरी की निर्बाध सड़कों के किनारे कई जगहों पर ढाबे या होटल तो बना दिए जाते हैं, लेकिन वहां सड़क से अलग हट कर वाहन लगाने के लिए जगह नहीं होती। नतीजतन, वहां खाने-पीने आदि के लिए रुकने वाले लोग अपनी गाड़ी सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं। जबकि ऐसी सड़कों पर आमतौर पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है और पीछे से आने वाली गाड़ियों के टकराने की आशंका हमेशा बनी रहती है।

इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सड़क किनारे बिना रोकटोक के ऐसे ढाबे और होटल चलने की जिम्मेदारी किसकी है? एक ही प्रकृति के लगातार हादसों और ज्यादातर घटनाओं में कारण स्पष्ट होने के बावजूद सरकार की ओर से अब तक इस दिशा में कोई पहल क्यों नहीं की गई? इसी को रेखांकित करते हुए अदालत ने सवाल उठाया है कि इस तरह के ढाबों पर कार्रवाई के लिए कौन-से नियम हैं और अब तक इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं।

हैरानी की बात है कि लगातार सड़क हादसों के कारणों की पहचान करके उसे दूर करने के लिए सरकार और संबंधित महकमों को खुद अपनी ओर से जो पहल करनी चाहिए थी, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को ध्यान दिलाना पड़ता है।

देश भर में अच्छी सड़कों का जाल तो बिछाया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर भी उतनी ही सुरक्षित हो, यह सुनिश्चित करने का सवाल एक तरह से हाशिये पर छोड़ दिया गया है। एक्सप्रेस-वे या राष्ट्रीय उच्च मार्गों पर निर्बाध सफर की सुविधा तो है, लेकिन अगर कहीं ढाबा या होटल बना दिया गया है, तो अव्वल तो उनकी वैधता की पड़ताल की जरूरत नहीं समझी जाती, फिर वहां वाहन लगाने की जगह अनिवार्य रूप से हो, यह सुनिश्चित करने की अनदेखी की जाती है।

विडंबना यह है कि देश भर में लगातार हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐसी घटनाओं को रोकने का सवाल सरकार की प्राथमिकता में शुमार नहीं है। सड़कों के डिजाइन से लेकर हादसों की कई वजहों को लेकर हुए अध्ययनों में एक ठोस नीति की जरूरत लंबे समय से बताई जा रही है। अगर समय रहते इस दिशा में पहल नहीं हुई, तो देश को इसका बहुस्तरीय नुकसान होगा।

आखिर जीवन की शुरुआत रोने से ही क्यों होती है?

जरा हट के

डिलीवरी रूम में जैसे ही नवजात की पहली आवाज सुनाई देती है, वह आमतौर पर रोने की होती है, न कि हंसने की. यह आवाज माता-पिता के लिए सुकून भी होती है और कई सवाल भी खड़े करती है.

आखिर जीवन की शुरुआत आंसुओं से ही क्यों होती है? क्या यह किसी तकलीफ का संकेत है या फिर सेहत की पहली पहचान? मेडिकल साइंस के अनुसार, बच्चे का यह पहला रोना उसका शुरुआती संवाद होता है, जो यह बताता है कि उसकी सांस, शरीर और दिमाग ठीक तरह से काम करना शुरू कर चुके हैं.

जब बच्चा मां के गर्भ से बाहर आता है, तो वह एक सुरक्षित और शांत माहौल से निकलकर बिल्कुल अलग दुनिया में प्रवेश करता है. गर्भ में जहां तापमान नियंत्रित रहता है, रोशनी हल्की होती है और आवाजें धीमी होती हैं, वहीं

बाहर का वातावरण ठंडा, उजला और शोरगुल से भरा होता है. इस अचानक बदलाव पर बच्चे का शरीर तुरंत प्रतिक्रिया करता है और यही प्रतिक्रिया रोने के रूप में सामने आती है, जो उसके जीवित होने और नए माहौल के अनुकूल ढलने का संकेत होती है.

डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे का पहला रोना उसकी सेहत का सबसे महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है. गर्भ के दौरान बच्चे के फेफड़े पूरी तरह सक्रिय नहीं होते, क्योंकि उसे ऑक्सीजन नाल के माध्यम से मिलती रहती है. जन्म के बाद उसे खुद सांस लेनी होती है. रोते समय जब बच्चा गहरी सांस लेता और छोड़ता है, तो उसके फेफड़े फैलते हैं और उनमें भरा तरल बाहर निकल जाता है. यही प्रक्रिया उसे स्वतंत्र रूप से सांस लेने में सक्षम बनाती है.

यह पहला रोना केवल आवाज नहीं होता, बल्कि शरीर के भीतर कई अहम बदलावों की शुरुआत भी करता है. इसके साथ ही दिल की धड़कन तेज होती है और रक्त संचार का नया सिस्टम सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगती है. इसी वजह से डॉक्टर अक्सर बच्चे के रोने का इंतजार करते हैं, क्योंकि यह उसके हृदय और फेफड़ों के सही ढंग से काम करने का प्रमाण होता है.

नारियल लड्डू

खजूर और नारियल के लड्डू (शुगर-फ्री लड्डू)

सामग्री-

- 1 कप नारियल का बुरादा (ड्राई)
- 1 कप खजूर
- 2 बड़े चम्मच काजू या बादाम
- 1 बड़ा चम्मच घी
- ½ छोटी चम्मच इलायची पाउडर

बनाने की विधि-

सबसे पहले खजूर को अच्छे से काट लें या फूड प्रोसेसर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब एक पैन में हल्का सा घी डालकर खजूर का पेस्ट डालें और धीमी आंच पर 2-3 मिनट भूनें। अब इसमें कटे हुए ड्राई फ्रूट्स और नारियल का आधा बुरादा मिलाएं। इसके बाद इन्हें अच्छे से मिक्स करके मिक्सचर को थोड़ा ठंडा होने दें, मिक्सचर से छोटे-छोटे लड्डू बना लें और ऊपर से बाकी बचा नारियल का बुरादा लपेट दें।

नारियल-दूध के लड्डू

सामग्री-

- 2 कप ताज नारियल का बुरादा
- 1 कप लो-फैट दूध
- 3-4 बड़े चम्मच नारियल शुगर
- 1 छोटी चम्मच इलायची पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी

बनाने की विधि-

एक पैन में घी डालें और उसमें नारियल का बुरादा हल्का सा भून लें जिससे उसकी नमी निकल जाए। अब इसमें दूध डालें और स्लो फ्लेम पर लगातार चलाते हुए पकाएं।जब ये गाढ़ा होने लगे, तो इसमें मिल्क पाउडर,नारियल शुगर और इलायची पाउडर डालें।

अच्छी तरह मिलाकर तब तक पकाएं जब तक मिक्सचर लड्डू बनाने लायक न हो जाए। गैस बंद करके ठंडा होने दें और छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

सुबह उठते ही पैरों में होता है अजीब सा दर्द?

शरीर में विटामिन-डी कम होने का है इशारा

विटामिन डी सिर्फ हड्डियों के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण शरीर की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी न केवल आपकी इम्युनिटी और मूड को प्रभावित करती है, बल्कि स्किन और पैरों पर भी इसके साफ संकेत देखने को मिलते हैं। खासतौर पर महिलाएं जो लंबे समय तक धूप से दूर रहती हैं या जिन्हें संतुलित आहार नहीं मिल पाता, उनके शरीर में विटामिन डी की कमी जल्दी हो जाती है। ऐसे में अगर आप भी यदि इन संकेतों को महसूस कर रही हैं, तो समय रहते सतर्क हो जाना जरूरी है।

■ त्वचा पर सूखापन और खुजली

विटामिन डी की कमी से स्किन की नमी बनाए रखने की क्षमता घट जाती है, जिससे स्किन बेजान, रूखी और खुरदुरी लगने लगती है। कुछ मामलों में खुजली और जलन भी महसूस हो सकती है।

■ एग्जिमा या पपड़ीदार चकते

अगर आपको बार-बार एग्जिमा या सोरायसिस जैसी स्किन समस्याएं होती हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि शरीर में विटामिन डी की मात्रा कम हो रही है।

■ स्किन पर दाग-धब्बे और रंगत में असमानता

विटामिन डी की कमी से स्किन

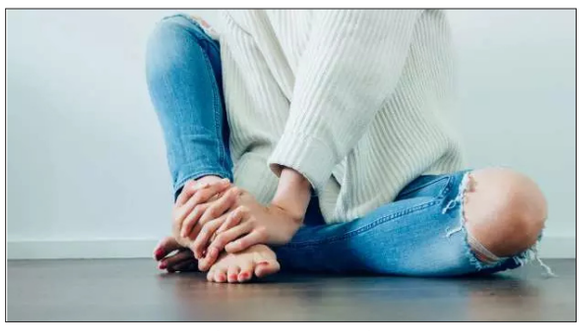

का रंग असमान हो सकता है, साथ ही चेहरे या शरीर पर काले दाग-धब्बे भी नजर आने लगते हैं।

■ पैरों में झुनझुनी या जलन

अगर आपको बार-बार पैरों में झनझनाहट या जलन महसूस होती है, तो यह संकेत हो सकता है कि नसें कमजोर हो रही हैं, जो विटामिन डी की कमी के कारण हो सकता है।

■ एड़ी में दरारें और रफनेस

विटामिन डी की कमी से स्किन की मरम्मत की क्षमता कम हो जाती है, जिससे एड़ियों में दरारें पड़ने लगती हैं और वो फटने लगती हैं।

■ पैरों में थकान और दर्द

विटामिन डी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसकी कमी से पैरों में थकावट, भारीपन और दर्द महसूस होता है, विशेष रूप से सुबह उठने पर।

■ धीमी भरने वाली चोट या घाव

अगर पैरों या त्वचा पर कोई चोट लगने पर वो जल्दी नहीं भरती या बार-बार इन्फेक्शन हो रहा है, तो यह भी विटामिन डी की कमी का बड़ा संकेत हो सकता है।

विटामिन डी की कमी के ये लक्षण मामूली लग सकते हैं, लेकिन इन्हें नजरअंदाज़ करना आपकी सेहत के लिए गंभीर साबित हो सकता है। समय रहते धूप में रहना, विटामिन डी युक्त डायट लेना और डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट्स लेना आवश्यक है।

आज का राशिफल

मेष : रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी। व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है।

वृषभ : राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। अधिक लोभ-लालच न करें।

कर्क : शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

सिंह : रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। आलस्य से बचकर रहें।

कन्या : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी।

तुला : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यापार सामान्य चलेगा।

वृश्चिक : चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्च का बोझ बढ़ेगा।

धनु : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा। आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है। सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

मकर : योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

कुंभ : राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी।

मीन : फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं। साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कहीं आपका खाना ही तो नहीं बढ़ा रहा जोड़ों का दर्द?

■ आर्थराइटिस में 5 चीजों से तुरंत कर लें तौबा

आर्थराइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें जोड़ों में सूजन, अकड़न और दर्द की समस्या रहती है। इस बीमारी का इलाज नहीं है, लेकिन इसे मैनेज जरूर किया जा सकता है। वहीं, कुछ चीजें इसे और गंभीर भी बना सकती हैं।

इस कंडीशन में खान-पान का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। गलत डाइट के कारण सूजन और दर्द बढ़ सकता है। आइए जानें किन फूड्स से गठिया के मरीजों को परहेज करना चाहिए, जो समस्या को गंभीर बना सकते हैं और किन फूड्स को खाने से दर्द और सूजन कम हो सकती है।

गठिया के लिए सबसे अच्छे फूड्स

फैटी फिश- सालमन, सार्डिन और टूना जैसी मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर होता है, जो जोड़ों की सूजन और अकड़न कम करता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां- पालक, केल और ब्रॉकली

विटामिन-के, सी और कैल्शियम से भरपूर होती हैं, जो हड्डियों को मजबूत और जोड़ों को हेल्दी बनाए रखती हैं।

बेरीज और चेरी- स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और चेरी जैसे फल एंटीऑक्सीडेंट्स और एंथोसाइनिन से भरपूर होते हैं, जो इंफ्लेमेशन घटाने में मददगार हैं।

नट्स और सीड्स- अखरोट, बादाम, फ्लैक्ससीड और चिया सीड्स ओमेगा-3 और प्रोटीन का अच्छा सोर्स हैं, जो गठिया के दर्द को शांत करने में सहायक हैं।

हल्दी और अदरक- इनमें मौजूद करक्यूमिन और जिंजरोल जैसे पावरफुल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द और सूजन को कम करते हैं।

ग्रीन टी- पॉलीफेनॉल्स से भरपूर ग्रीन टी जोड़ों की सुरक्षा करती है और रुमेटाइड गठिया के लक्षणों को कंट्रोल करती है।

दालें और बीन्स- राजमा, मसूर और चना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो शरीर की सूजन कम करने में मदद करते हैं।

ऑलिव ऑयल- इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स सूजन कम करके जोड़ों को लचीला बनाए रखते हैं।

पाचन को रखे हेल्दी, वजन भी घटाए भुना जीरा

किचन में खाना बनाते समय जीरे का कई चीजों में इस्तेमाल किया जाता है. सब्जी में साबुत जीरा तो पड़ता ही है, दिल में भी इसी से तड़का भी लगाया जाता है. काफी लोग जीरे के पाउडर का भी मसाले में इस्तेमा करते हैं. लेकिन, जब आप साबुत जीरे को भून कर इस्तेमाल करते हैं या इसका पाउडर बनाकर सेवन करते हैं तो ये और भी अधिक फायदेमंद हो जाता है. जानिए भुना जीरा कैसे है सेहत के लिए फायदेमंद.

भुना जीरा के फायदे

भारतीय रसोई का अहम मसाला जीरा सिर्फ स्वाद बढ़ाने वाला नहीं, बल्कि सेहत का असली खजाना है. आयुर्वेद के अनुसार, कच्चा जीरा जितना फायदेमंद है, उससे दोगुना फायदेमंद भुना जीरा होता है. इसके सेवन से पाचन, खून, वजन और हार्मोन संतुलन बना रहता है.

आयुर्वेद में जीरे को पाचन अग्नि बढ़ाने वाला, वात-कफ दूर करने वाला बताया गया है. चरक संहिता के अनुसार, ये श्रेष्ठ पाचक है. इसका सेवन अगर सही तरीके से करें तो पेट की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है. वजन कंट्रोल हो सकता है. ब्लड शुगर नहीं बढ़ता है.

जीरे में कमिनाल्डिहाइड, थाइमॉल, टेरपीन जैसे तत्वों होते हैं, साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, आयरन, मैग्नीशियम भी भरपूर होते हैं. ये पाचन सुधारते हैं. गैस और सूजन कम करते हैं. मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखते हैं. शोध की माने तो भुना या नॉर्मल जीरा ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करने में कारगर है.

जिन महिलाओं में आयरन की कमी होती है, उन्हें भी इसका सेवन करना चाहिए. इससे शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी दूर होती है. शिशु को दूध पिलाती हैं, तो इसके सेवन से दूध की क्वालिटी में सुधार होता है. जीरा पानी भी काफी लोग पीते हैं. यह वजन घटाने और डिटॉक्स के लिए रामबाण है. इससे पाचन मजबूत होता है. पेट साफ रहता है. मोटापा और इंफ्लेमेशन कम होती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कोचिंग जा रही छात्रा से रेप के मामले में एसपी का बड़ा ऐक्शन, एसएचओ, दरोगा समेत 3 सस्पेंड

लखीमपुर. लखीमपुर में कोचिंग जा रही छात्रा से हुई रेप की घटना में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। उधर, एसपी संकल्प शर्मा ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर फरधान एसएचओ दयाशंकर द्विवेदी, लीलाकुआं चौकी इंचार्ज संदीप यादव और बीट सिपाही रामबली को निलंबित कर दिया है। फरधान थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 17 वर्षीय किशोरी अपनी सहेली के साथ सोमवार की सुबह लीलाकुआं कोचिंग जा रही थी। लखीमपुर बेहजम रोड पर कैमासुर गांव के पास उसको बाइक सवार तीन युवकों ने रोक लिया। आरोप है कि युवक छात्राओं को सड़क किनारे गन्ने के खेत में खींच ले गए और एक छात्रा के साथ जबरदस्ती करने लगे। छात्रा विरोध करती रही पर उसका रेप कर दिया।

गर्भवती हुई पत्नी तो प्रेमिका संग फरार हुआ पति, जन्मे बच्चे को मां ने भी ठुकराया

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में एक शख्स अपनी पत्नी के गर्भवती होते ही प्रेमिका संग फरार हो गया। पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया लेकिन जन्म के फौरन बाद ही नवजात को लावारिस होने का दंश झेलना पड़ रहा है। मां ने भी उसे अपनाने से इनकार कर दिया है। मासूम की मां महिला अस्पताल में ही भर्ती है। पिता भी जिंदा है। इसके बावजूद मासूम को माता-पिता का प्यार नहीं मिल रहा है। एसएनसीयू में भर्ती मासूम को अब चाइल्ड लाइन के हवाले करने की तैयारी है। रविवार की देर रात रेलवे स्टेशन से प्रसव पीड़ा से कराहती गर्भवती के लेकर रेलवे यात्री मित्र महिला अस्पताल पहुंचे। सोमवार के तड़के महिला ने बेटे को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के बाद महिला ने बेटे को साथ रखने से इनकार कर दिया।

डाक निरीक्षक और 2 पोस्टमास्टर रिश्वत लेते गिरफ्तार, सीबीआई का ऐक्शन

उरई. यूपी के उरई में एट डाकघर से मंगलवार को दो डाकपालों(पोस्टमास्टर) को 2500 रुपये रिश्वत लेने के मामले में लखनऊ से आई सीबीआई टीम ने रंगेहाथ दबोचा। इनकी निशानदेही पर टीम ने कोंच पोस्ट ऑफिस से डाक निरीक्षक को भी पकड़ा है। यह रिश्वत डाक निरीक्षक ने एट पोस्ट ऑफिस में तैनात पोस्टमैन से ट्रांसफर होने पर रिलीव के नाम पर मांगी थी। एट डाकघर में तैनात पोस्टमैन कृष्ण कुमार का बिहार के पटना स्थानांतरण हुआ। रिलीव करने के लिए कोंच डाक निरीक्षक प्रतीक भार्गव ने कृष्ण कुमार से 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। कृष्ण कुमार पांच हजार रुपये दे चुके थे। तीन दिन पहले उनसे शेष 10 हजार रुपये की मांग की गई। इससे परेशान होकर कृष्ण कुमार ने सीबीआई लखनऊ में शिकायत की।

पैसे नहीं भरने पर अस्पताल ने बेटे का शव रोका, पिता ने सड़क किनारे मांगी भीख

बरेली. यूपी के बरेली में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना हुई। एक युवक की मौत के बाद उसके पिता को सड़क किनारे भीख मांगनी पड़ी जिससे की वो अस्पताल के पैसे चुकाकर बेटे का शव ले जा सकें। घटना पीलीभीत बाईपास स्थित निजी अस्पताल की है। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल युवक की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजनों का आरोप है कि 2.5 लाख रुपये देने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने 2.5 लाख रुपये और मांगे। रुपये नहीं होने पर अस्पताल के स्टाफ ने शव देने से इंकार कर दिया। बता दें कि मृतक के पिता का भीख मांगते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इज्जतनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों में सुलह कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

कलाम की जगह वाजपेयी को राष्ट्रपति बनाना चाहती थी BJP

- **किताब में दावा- BJP ने अटलजी से कहा था, आप आडवाणी को PM बनने दीजिए**

नई दिल्ली. भारत के 11वें राष्ट्रपति के लिए भाजपा ने साल 2002 में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को राष्ट्रपति पद ऑफर किया था। पूर्व PM वाजपेयी के करीबी अशोक टंडन ने अपनी किताब 'अटल संस्मरण' में इसका खुलासा किया है।

इस किताब के मुताबिक भाजपा ने वाजपेयी से कहा था, 'पार्टी चाहती है कि आपको राष्ट्रपति भवन चले जाना चाहिए। आप प्रधानमंत्री पद लाल कृष्ण आडवाणी को सौंप दीजिए।' हालांकि, वाजपेयी ने इस प्रस्ताव को साफ ठुकरा दिया। टंडन के अनुसार, वाजपेयी ने कहा था- मैं इस तरह के किसी कदम के पक्ष में नहीं हूं। मैं इस फैसले का समर्थन नहीं करूंगा।

टंडन ने 17 दिसंबर, 2025 को वाजपेयी की बर्थ एनिवर्सरी पर 'अटल स्मरण' किताब लॉन्च की है। टंडन 1998 से 2004 तक वाजपेयी के मीडिया सलाहकार थे। वहीं, वाजपेयी 1999 से 2004 तक, 5 साल का पूरा कार्यकाल पूरा करने वाले देश के पहले गैर-कांग्रेसी PM थे।

NDA ने 2002 में 11वें राष्ट्रपति चुनाव में कलाम को अपना उम्मीदवार बनाया था। कलाम के सामने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार लक्ष्मी सहगल थीं। हालांकि, कांग्रेस समेत प्रमुख विपक्षी दलों के सांसदों और विधायकों ने कलाम के समर्थन में वोट किया। कलाम ने 25 जुलाई 2002 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

किताब में दावा- सोनिया-मनमोहन के साथ मीटिंग में कलाम के नाम की घोषणा हुई

- टंडन की किताब में बताया गया है कि वाजपेयी चाहते थे कि देश का 11वां राष्ट्रपति पक्ष-विपक्ष की सर्वसम्मति से बने। इसके लिए उन्होंने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सीनियर नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया था। इस बैठक में सोनिया गांधी, प्रणब मुखर्जी और डॉ. मनमोहन सिंह शामिल हुए।
- इसी बैठक में वाजपेयी ने पहली बार औपचारिक रूप से बताया कि NDA ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को अपना राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का फैसला लिया। टंडन के अनुसार, इस घोषणा के बाद बैठक में कुछ देर के लिए सब मौन हो गए।
- सोनिया गांधी ने चुप्पी तोड़ते हुए वाजपेयी से कहा, 'हम लोग कलाम के नाम के सिलेक्शन को लेकर हैरान हैं। हालांकि, इस पर विचार करने के अलावा हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं है। हम आपके प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे और फिर फैसला लेंगे।'

दोबारा न हों पूर्व CJI पर जूता फेंकने जैसी घटनाएं

- **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एससीबीए से कहा - उपाय सुझाएं**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार और 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) से पूर्व सीजेआई बी. आर. गवई पर अदालत कक्ष में जूता फेंकने के प्रयास जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उपाय सुझाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मीडिया द्वारा ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग को लेकर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के सुझाव भी मांगे।

सीजेआई सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता एवं एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह से इस संबंध में दिशा-निर्देश तय करने के लिए सुझाव देने को कहा।

सीजेआई ने कहा, ''सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता एवं एससीबीए अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए जा सकने वाले कदमों तथा ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग एवं प्रसारण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर संयुक्त सुझाव पेश करेंगे।''

अदालत ने केंद्र को औपचारिक नोटिस जारी करने की प्रक्रिया से छूट देते हुए कहा कि यह मामला प्रतिद्वंद्वी प्रकृति का नहीं है, इसलिए संयुक्त सुझाव दाखिल किए जा सकते हैं। इससे पहले पीठ ने 71 वर्षीय अधिवक्ता राकेश किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की अनिच्छा जताई थी। किशोर ने छह अक्टूबर को न्यायालय की कार्यवाही के दौरान तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश गवई की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया था।

राहुल गांधी म्यूनिख में BMW प्लांट पहुंचे

- **कहा- भारत में मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट आ रही**
- **जर्मनी के तीन दिन के दौरे पर हैं**

म्यूनिख. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जर्मनी के म्यूनिख में कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ होती है। दुर्भाग्य से भारत में मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट आ रही है। विकास को तेज करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करना होगा। मैन्युफैक्चरिंग का इकोसिस्टम बनाना होगा।'

राहुल गांधी प्रोग्रेसिव एलायंस के आमंत्रण पर तीन दिन के दौरे पर आज जर्मनी पहुंचे। ये एलायंस दुनियाभर की 117 प्रगतिशील राजनीतिक पार्टियों का एक प्रमुख समूह है। राहुल पहले दिन म्यूनिख स्थित ऑटोमोबाइल कंपनी BMW के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने विभिन्न कारों और मोटरसाइकिलों के बारे में जानकारी ली। राहुल देर रात बर्लिन में IOC कार्यक्रम में भाग लेंगे। राहुल 19 दिसंबर तक जर्मनी में ही रहेंगे। उनका जर्मनी दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब देश में संसद का शीतकालीन सत्र (1 से 19 दिसंबर तक) चल रहा है। इसको लेकर भाजपा ने राहुल के जर्मनी दौरे पर निशाना साधा था।

ढाका में भारतीय उच्चायोग को धमकी

- **सरकार ने बांग्लादेशी अधिकारी को तलब किया**

नई दिल्ली. ढाका में भारतीय उच्चायोग को धमकी मिलने की खबर है। इस संबंध में भारत सरकार ने बांग्लादेश के हाई कमिश्नर को तलब किया है। हालांकि, अब तक साफ नहीं हो सका है कि किस तरह की धमकी दी गई थी। खास बात है कि घटनाक्रम बांग्लादेश में विजय दिवस मनाए जाने के एक दिन बाद हुआ है। फिलहाल, इसे लेकर भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

बुधवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने भारत में बांग्लादेश के हाई कमिश्नर को तलब किया था।

भारतीय उच्चायुक्त को भी किया गया था तलब

पीटीआई भाषा के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से दिए गए 'भड़काऊ बयानों' पर 'गंभीर चिंता' जताई थी। हसीना इस समय भारत में हैं। देश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेश भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है।

बांग्लादेश के विदेश विभाग ने एक बयान में कहा था, 'विदेश मंत्रालय ने आज भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया और भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार की इस गंभीर चिंता से अवगत कराया कि शेख हसीना को ऐसे भड़काऊ बयान जारी करने की अनुमति दी जा रही है, जिसमें वह अपने समर्थकों को बांग्लादेश में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसा रही हैं। उनके बयानों का मकसद बांग्लादेश में आगामी संसदीय चुनावों को विफल करना है।'

इथियोपिया में गूंजा वंदे मातरम्

- **खुशी से झूम उठे PM मोदी**

नई दिल्ली. इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा आयोजित भोज समारोह में मंगलवार शाम एक भावुक कर देने वाला क्षण देखने को मिला, जब इथियोपिया के गायकों की टीम ने 'वंदे मातरम्' की मनोहारी प्रस्तुति दी। विदेशी धरती पर भारत के राष्ट्रीय गीत की गूंज ने वहां मौजूद सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी काभी उत्साहित नजर आए। उन्होंने तालियों से गायकों का

उत्साह बढ़ाया।

पीएम मोदी वीडियो शेयर करते हुए लिखते हैं, ''कल प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा आयोजित बैंक्वेट डिनर में इथियोपियाई गायकों ने वंदे मातरम् का एक शानदार गायन किया। यह एक बहुत ही भावुक पल था, वह भी ऐसे समय में जब हम वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।'

आपको बता दें कि भारत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। इसके लिए कई आयोजन किए जा रहे हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान भी इस विषय पर चर्चा हुई।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया गया। इसके लिए उन्होंने इथियोपियाई सरकार एवं देशवासियों का आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स कहा, 'कल शाम मुझे 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित करने के लिए इथियोपिया के लोगों और सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री अबी अहमद अली का आभारी हूं। दुनिया की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में से एक द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सम्मान उन अनगिनत भारतीयों का है जिन्होंने वर्षों से हमारी साझेदारी को मजबूत किया है।'

जी राम जी बिल पर बहस से पहले पहले एक्शन में कांग्रेस

- **सांसदों के लिए जारी किया व्हिप**

नई दिल्ली. जी राम जी बिल पर बहस से पहले कांग्रेस ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी कर दिया है। पार्टी ने सभी सांसदों को अगले तीन दिन सदन में उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए यह व्हिप जारी किया है। सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस पार्टी ने अपने लोकसभा सांसदों से कहा है कि वे बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को हर हाल में सदन में उपस्थित रहें।

कांग्रेस ने अपने लोकसभा सदस्यों को ऐसे समय व्हिप जारी किया है, जब इस बात की संभावनाएं जताईं जा रहा हैं कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र के इस आखिरी सप्ताह में सदन में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पर चर्चा कर इसे पारित कराने की कोशिश करेगी। बता दें कि संसद का वर्तमान शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर को समाप्त होने वाला है। इससे पहले सरकार ने मंगलवार को भारी हंगामे के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' लोकसभा में पेश किया था। इस बिल को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है।

फुटबॉलर मेसी ने अनंत अंबानी का वनतारा देखा

- **वाइल्डलाइफ सेंटर में आरती की**
- **अनंत-राधिका ने शेर के शावक का नाम लियोनेल रखा**

वनतारा. वर्ल्ड फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी ने भारत के दौरे के दौरान अनंत अंबानी के वाइल्डलाइफ रेस्क्यू और संरक्षण केंद्र वनतारा का भी दौरा किया। इसकी तस्वीरें बुधवार रात जारी की गईं। यहां मेसी ने अनंत और उनकी पत्नी राधिका के साथ आरती की, भगवान की मूर्ति के सामने माथा टेका।

मेसी ने एलिफेंट केयर सेंटर में दो साल पहले बचाई गई बीमार हाथी प्रतिमा के बच्चे मणिकलाल के साथ फुटबॉल खेली। इस मौके पर अनंत अंबानी और राधिका अंबानी ने एक शेर के शावक का नाम लियोनेल भी रखा। उनके साथ उनके क्लब के फुटबॉल खिलाड़ी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल भी मौजूद थे।

तिलक वर्मा ने लगाई ICC टी-20 रैंकिंग में छलांग

- **पाकिस्तानी खिलाड़ी को फेका टॉप-5 से बाहर**
- **वरुण चक्रवर्ती नंबर-1**

तिलक वर्मा को साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी T20I सीरीज में धमाकेदार बैटिंग करने का इनाम ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में मिला है। वह अब टीम इंडिया के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ टॉप-5 में पहुंच गए हैं। अभिषेक नंबर-1 की पोजिशन पर बने हुए हैं। तिलक वर्मा की इस छलांग से पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान और इंग्लैंड के जोस बटलर को 1-1 पायदान का नुकसान हुआ है। जोस बटलर तो टॉप-5 में बने हुए हैं, मगर साहिबजादा फरहान 6ठे पायदान पर खिसक गए हैं। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती नंबर-1 के पायदान पर बने हुए हैं, उन्होंने करियर हाईएस्ट रेटिंग भी हासिल कर ली है।

तिलक वर्मा ने कटक में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में 26 रन बनाने के बाद पिछले हफ्ते न्यू चंडीगढ़ में 62 और धर्मशाला में 26 रन बनाए थे, उन्हें इस कंसिस्टेंट बल्लेबाजी का फायदा आईसीसी टी20 रैंकिंग में मिला है। तिलक वर्मा इसी साल जनवरी में टॉप-2 तक पहुंच गए थे, जो उनके करियर की बेस्ट रैंकिंग थी।

साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम को ताजा टी20 रैंकिंग में 29 पायदान का फायदा हुआ है। उन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में 61 रनों की पारी खेली थी, हालांकि उनकी पूरी टीम 117 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। जबकि क्विंटन डी कॉक की दूसरे T20I में मैच जिताने वाली 90 रनों की पारी ने उन्हें 14 स्थान ऊपर 53वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

T20I बॉलिंग रैंकिंग में चक्रवर्ती, जिन्होंने पिछले हफ्ते खेले गए दो T20I में दो-दो विकेट लिए, ने अपने खाते में 36 रेटिंग पॉइंट जोड़े हैं, जिससे उनका स्कोर करियर के बेस्ट 818 पॉइंट तक पहुंच गया है।

पति के लिए सड़क पर गिड़गिड़ाती रही पत्नी

पहले हॉस्पिटल में डॉक्टर, एंबुलेंस नहीं मिली, आगे बढ़े तो एक्सीडेंट हुआ, मौत

बेंगुलुरू. कर्नाटक की राजधानी बेंगुलुरू में लचर मेडिकल व्यवस्था और मानवीय संवेदनहीनता के चलते एक शख्स की बीच सड़क पर तड़फ-तड़फकर मौत हो गई। यह हादसा बीते 13 दिसंबर का है, जिसका सीसीटीवी वीडियो अब सामने आया है। वीडियो में महिला को जमीन पर घायल पड़े पति के लिए मदद मांगते देखा जा सकता है। बेंगलुरु में रहने वाले 34 साल के वेंकटरमनन की पत्नी रूपा रमनन ने मीडिया को बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े 3 बजे वेंकट के सीने में तेज दर्द हुआ था। रूपा उन्हें स्कूटी से पास के एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गई। लेकिन वहां कोई डॉक्टर नहीं था। इसके बाद दोनों दूसरे हॉस्पिटल पहुंचे, जहां ईसीजी करने पर पता चला कि वेंकट को दिल का दौरा पड़ा था। लेकिन, इलाज करने की बजाय हॉस्पिटल स्टाफ ने उन्हें जय नगर में श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज जाने को कह दिया गया। वेंकटरमनन की हालत बिगड़ रही थी, लेकिन हॉस्पिटल में एंबुलेंस नहीं थी। इसलिए हॉस्पिटल ने उनसे कहा कि आप बिना समय गंवाए हॉस्पिटल के लिए रवाना हो जाएं।

इसके बाद दोनों जयनगर के लिए रवाना हुए, लेकिन बीच रास्ते में ही गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। चोट लगने के चलते वेंकट जमीन से उठने की स्थिति में नहीं थे। पति की मदद के लिए रूपा आसपास से गुजर रहे लोगों से मदद की गुहार लगाती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। करीब 15 मिनट बाद एक कैब वाला रुका और दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर्स ने वेंकटरमनन को मृत घोषित कर दिया।

लागू होगा AI-बेस्ड टोल कलेक्शन सिस्टम

नई दिल्ली. आने वाले समय में भारतीय हाईवे सिस्टम एक हाई-टेक और स्मार्ट ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की ओर बढ़ने वाला है, जिससे आम लोगों से लेकर सरकार तक सबको फायदा होगा। भारत में हाईवे पर सफर करने वालों के लिए आने वाले सालों में बड़ी राहत मिलने वाली है। जी हां, क्योंकि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया है कि देशभर में AI आधारित डिजिटल टोल कलेक्शन सिस्टम को 2026 के अंत तक पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा। इसके बाद टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जावक क्र. उमपा/निवि/आयुक्त/711/2025 दि. 17/12/2025

अधिसुचना

ज्याअर्थी, विद्यमान उल्हासनगर महानगरपालिकेची मुदत दि. 05/04/2022 रोजी संपली आहे

ज्याअर्थी, उक्त मुदत संपण्यापूर्वी नवीन महानगरपालिकेच्या स्थापनेसाठी सार्वत्रिक निवडणूक होणे अभिप्रेत असल्याने उल्हासनगर महानगरपालिकेची सार्वत्रिक निवडणूक घेणेबाबत मा. राज्य निवडणूक आयोगाने आदेश दिलेले आहेत.

आणि ज्याअर्थी, मा. राज्य निवडणुक आयोगाने त्यांचे आदेश क्र. रानिआ/मनपा 2025/प्र.क्र.80/का.05, दिनांक 15 डिसेंबर, 2025 प्रमाणे निवडणूकीचा कार्यक्रम निश्चित करून दिलेला असून तो अधिसूचित करणेबाबत निर्देश दिलेले आहेत.

त्याअर्थी मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम 1949 वे अनुसूचीतील प्रकरण क्र. 1 नियम 8 आणि 11 मधील तरतुदीप्रमाणे मी. मनिषा आव्हाळे. महापालिका आयुक्त. उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सार्वत्रिक निवडणूक 2025 साढी खालोल निवडणूक कार्यक्रम अधिसुचित करीत आहे.

अ.क्र.	निवडणुकीचा टप्पा	टप्पा सुरू करण्याची / पुर्ण करण्याची तारीख
	मतदार यादी ग्राह्य धरण्याचा दिनांक	दि. 01 जुलै, 2025 (मंगळवार)
(1)	आयुक्त, महानगरपालिका यांनी निवडणुक कार्यक्रम शासन राजपत्र व स्थानिक वृत्तपत्रात प्रसिध्द करण्याची दिनांक	दि. 18 डिसेंबर, 2025 (गुरुवार)
(2)	नामानिर्देशनपत्रे देण्याचा कालावधी	दि. 23 डिसेंबर, 2025 (मंगळवार) ते दि. 29 डिसेंबर, 2025 (सोमवार) (सकाळी 11 ते दुपारी 3) (गुरूवार दि. 25 डिसेंबर व रविवार दि. 28 डिसेंबर, 2025 रोजी नामनिर्देशनपत्रे देण्यात येणार नाहीत.)
(3)	वरील नामनिर्देशनपत्रे स्विकारण्याचा कालावधी	दि. 23 डिसेंबर, 2025 (मंगळवार) ते दि. 30 डिसेंबर, 2025 (मंगळवार) (सकाळी 11 ते दुपारी 3) (गुरूवार दि. 25 डिसेंबर व रविवार दि. 28 डिसेंबर, 2025 रोजी नामनिर्देशनपत्रे देण्यात येणार नाहीत.)
(4)	नामनिर्देशनपत्राची छाननी	दि. 31 डिसेंबर, 2025 (बुधवार) (सकाळी 11.00 वाजल्यापासून।
(5)	वैधरित्या नामनिर्देशित झालेल्या उमेदवारांची यादी प्रसिध्द करण्याचा दिनांक	छाननी पूर्ण झाल्यानंतर लगेच
(6)	नामनिर्देशनपत्रे मागे घेण्याचा अंतिम दिनांक	दि. 02 जानेवारी, 2026 (शुक्रवार) पर्यंत (सकाळी 11 ते दुपारी 3)
(7)	निवडणूक चिन्ह नेमून देण्याचा दिनांक	दि. 03 जानेवारी, 2026 (शनिवार) (सकाळी 11.00 वाजल्यापासून)
(8)	अंतिमरित्या निवडणुक लढविणा-या उमेदवारांची यादी प्रसिध्द करण्याचा दिनांक	दि. 03 जानेवारी, 2026 (शनिवार)
(9)	आवश्यक असल्यास मतदानाचा दिनांक	दि. 15 जानेवारी. 2026 (गुरूवार) सकाळी 7.30 ते संध्याकाळी 5.30 पर्यंत
(10)	मतमोजणी व निकाल जाहीर करण्याचा दिनांक	दि. 16 जानेवारी, 2026 (सकाळी 10.00 वाजल्यापासून)
(11)	महाराष्ट्र शासन राजपत्रात निकाल प्रसिध्द करणे	दि. 19 जानेवारी, 2026 (सोमवार) पर्यंत

ठिकाण :- उल्हासनगर
दिनांक :- 17/12/2025
जा.क्र. उमपा/पीआर/444/2025
दिनांक - 17/12/2025

सही/-
(मनिषा आव्हाळे भाप्रसे)
निवडणूक अधिकारी तथा आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

ट्रांसजेंडर की पिटाई के बाद पुलिस की गाड़ी पर पथराव

नवी मुंबई। मंगलवार आधी रात को खारघर इलाके में एक गंभीर घटना हुई, जब एक पुलिस गाड़ी पर ट्रांसजेंडर ने हमला कर दिया। ये ट्रांसजेंडर गंदे इशारे करके युवाओं को अट्रैक्ट करने की कोशिश कर रहे थे। जिसे पुलिस की गश्त की टीम ने देखा और ट्रांसजेंडर की पिटाई कर दी जिससे नाराज होकर ट्रांसजेंडरों ने पुलिस की गाड़ी पर हमला कर दिया। अच्छी बात यह रही कि इसमें कोई पुलिसवाला घायल नहीं हुआ। इस घटना ने पुलिस के साथ-साथ आम लोगों की सेफ्टी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

BMC चुनाव से पहले महाराष्ट्र में बड़ा उलटफेर

- उद्धव और राज ठाकरे ने मिलाया हाथ
- कांग्रेस बोली- हम अकेले लड़ेंगे

मुंबई. बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) समेत महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों से पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है. शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे के बीच रणनीतिक गठबंधन होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य मराठी मतदाताओं का ध्रुवीकरण कर सत्ता पक्ष को चुनौती देना है. इस बारे में यूबीटी नेता संजय राउत ने जानकारी दी है.

हालांकि, महा विकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस ने इस गठबंधन का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है. इस घटनाक्रम से महाराष्ट्र की नगर पालिका चुनावी राजनीति में नया मोड़ आने की संभावना है, जहां मराठी अस्मिता का मुद्दा एक बार फिर केंद्र में आ गया है.

उन्होंने कहा, 'उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का एक साथ आना लोगों में आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा है. हम मुंबई समेत 29 नगर निगमों में चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, अगर आप हम पर पीछे से भी हमला करेंगे तो हम लड़ने के लिए तैयार हैं. राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मिलकर चुनाव लड़ेंगे.'

राउत ने कहा कि ठाकरे ब्रदर्स पांच महत्वपूर्ण नगर निगमों- मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोम्बिवली, मीरा भायंदर, पुणे और नासिक जैसे पांच नगर निगमों में एक साथ चुनाव लड़ेंगे. अन्य नगर निगमों में स्थानीय नेताओं के स्तर पर फैसला लिया जाएगा.

उन्होंने इसे मुंबई की लड़ाई करार देते हुए कहा, 'हम इस मुंबई को अमित शाह के हाथों में नहीं जाने देंगे. महाराष्ट्र जानता है कि रहमान डाकू कौन है? कौन मुंबई को लूटना चाहता है? उनका समर्थन कौन कर रहा है?'

जल्द होगा गठबंधन का ऐलान

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का ये गठबंधन अगले हफ्ते में औपचारिक रूप से घोषित किया जाएगा. राउत ने इस गठबंधन से लोगों में उत्साह और विश्वास जागने की बात कही. साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी को सीधी चेतावनी भी दी है.

'माफी मांगने का सवाल ही नहीं...'

- ऑपरेशन सिंदूर पर बयान से विवाद बढ़ने पर बोले पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई. ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत की सैन्य कार्रवाई पर सवाल उठाकर विवादों में आए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महाराष्ट्र मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने अपने बयान पर कायम रहने की बात दोहराई है. चव्हाण ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा और माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं उठता.

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि उन्होंने अपने बयान में कुछ भी गलत नहीं कहा और संविधान ने उन्हें सवाल पूछने का अधिकार दिया है. पुणे में मीडिया से बातचीत के दौरान चव्हाण ने कहा, मैंने कुछ गलत नहीं कहा है. माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता. हमारे संविधान ने मुझे सवाल पूछने का अधिकार दिया है.

दरअसल, पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन भारतीय वायुसेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और भारतीय विमान मार गिराए गए. चव्हाण ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन हम पूरी तरह हार गए थे. 7 मई को जो आधे घंटे का हवाई संघर्ष हुआ, उसमें हमें पूरी तरह से पराजय मिली, चाहे लोग मानें या न मानें. भारतीय विमानों को मार गिराया गया. वायुसेना पूरी तरह से ग्राउंडेड थी और एक भी विमान नहीं उड़ा.

पहलगाम में आतंकियों ने किया था हमला

चव्हाण का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस तेज है. गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक गांव पर हमला किया था. हमलावरों ने खासकर पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी.

'वायुसेना को ग्राउंड पर रखा गया'

उन्होंने आगे दावा किया, अगर ग्वालियर, बठिंडा या सिरसा से कोई भी विमान उड़ान भरता तो उसके पाकिस्तान द्वारा मार गिराए जाने की पूरी संभावना थी. इसी वजह से वायुसेना को पूरी तरह ग्राउंड पर रखा गया. इतना ही नहीं, पूर्व मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान थलसेना की भूमिका पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के दौरान जमीन पर सेना की एक किलोमीटर तक भी कोई मूवमेंट नहीं हुई. पृथ्वीराज चव्हाण ने आगे कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने देखा कि सेना की एक किलोमीटर तक भी कोई मूवमेंट नहीं हुई. दो-तीन दिनों में जो कुछ हुआ, वह सिर्फ हवाई युद्ध और मिसाइल युद्ध था. भविष्य में भी युद्ध इसी तरह लड़े जाएंगे. ऐसे में क्या वाकई हमें 12 लाख सैनिकों की सेना बनाए रखने की जरूरत है या फिर उनसे कोई और काम कराया जा सकता है?

उल्हासनगर. सामाजिक कार्यों में अग्रसर रही जनजागृति फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष राजेश हरचंदानी के कार्यकाल पूर्ण होने पर राजल गुरबाणी को सर्वसम्मिति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। उल्हासनगर पंजाबी कॉलनी के साई मिरपुरी आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें बधाई देने अजित गवलनी, महेश पुरस्वानी, किशोर मूलचंदानी, किशोर साजनानी, मोहन लासी, ठाकुर जोतवानी, कमलेश छटानी व पत्रकार सुरेश चौहान व अन्य उपस्थित थे.

RTI : पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर्स और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटीज़ की ट्रेनिंग संपन्न

ठाणे. ज़िला परिषद, ठाणे ग्राम पंचायत डिवीज़न के अधिकारियों, पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर्स और पब्लिक अथॉरिटीज़ के फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटीज़ को राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट के नियमों के बारे में साफ़ और अपडेटेड ट्रेनिंग देने के मकसद से एक खास ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया था। यह ट्रेनिंग 17 दिसंबर, 2025 को बी. जे. हाई स्कूल, ज़िला परिषद, ठाणे में सफलतापूर्वक पूरी हुई। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम दो सेशन में आयोजित किया गया था। इस ट्रेनिंग में भिवंडी, कल्याण और अंबरनाथ तहसील से बड़ी संख्या में पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर्स और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटीज़ ने हिस्सा लिया।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंडित राठौड़, ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर भिवंडी गोविंद खामकर, असिस्टेंट ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर अंबरनाथ नीता खोत्रे और कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।ट्रेनिंग में, यशदा ने प्रोग्राम के ज़रिए एक्सपर्ट ट्रेनर दिए, जिनमें डायरेक्टर दादू बुले और एक्सपर्ट ट्रेनर (राइट टू इन्फॉर्मेशन) रेखा सालुंखे शामिल थे, जिन्होंने राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट के सेक्शन, टाइमटेबल, अपील प्रोसेस, डिसीजन राइटिंग और असल केस पर गाइडेंस दिया।ट्रेनिंग के दौरान, राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट को सही तरीके से लागू करने के लिए ज़िम्मेदारियों, कानूनी पहलुओं, गलतियों से बचने के उपायों और ट्रांसपेरेंट एडमिनिस्ट्रेशन के महत्व पर डिटेल में चर्चा हुई। ट्रेनी ने अपनी राय दी कि अपने डाउट पूछने के बाद उन्हें संतोषजनक जवाब मिले।ऑर्गनाइज़र ने विश्वास जताया कि इस ट्रेनिंग से पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी का ज्ञान और कॉन्फिडेंस बढ़ेगा, और भविष्य में राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट को लागू करना और भी असरदार होगा।राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट ट्रांसपेरेंट और अकाउंटेबल एडमिनिस्ट्रेशन की रीढ़ है। पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी के लिए इस एक्ट की गहरी समझ होना बहुत ज़रूरी है। आज की ट्रेनिंग सिर्फ़ फॉर्मल नहीं है बल्कि असल काम में भी काम आएगी, और इससे निश्चित रूप से राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट को असरदार तरीके से लागू किया जा सकेगा। डायरेक्टर पंडित राठौड़ इस ट्रेनिंग से सूचना के अधिकार कानून के नियमों, समय की पाबंदी और फैसला लेने की प्रक्रिया के बारे में साफ़ जानकारी मिली। प्रैक्टिकल उदाहरणों से कानून को समझना आसान हो गया और हमें भरोसा मिला कि भविष्य में, हम सूचना के आवेदनों और अपीलों पर ज़्यादा सही और समय पर कार्रवाई कर पाएंगे।

ठाणे मनोरोगी अस्पताल की ब्रिटिश कालीन विरासत को बचाने की मांग

ठाणे. मनोरोगी अस्पताल के रिकंस्ट्रक्शन के बैकग्राउंड में पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पत्रव्यवहार के माध्यम से ब्रिटिश कालीन विरासत की इमारतों, मेडिकल सुपरिटेंडेंट के ऐतिहासिक कार्यालय और वहां मिली पुरानी मूर्तियों को बचाया जाना चाहिए। ठाणे शहर तेज़ी से विकास की ओर बढ़ रहा है, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ज़रूरी है डॉ. सिनकर ने मनोरोगी अस्पताल को अपग्रेड करने के फैसले का स्वागत किया है।यह अस्पताल जिसका 125 साल का इतिहास है लेकिन इसको डेवलपमेंट के नाम पर खत्म नहीं किया जाना चाहिए।अस्पताल परिसर में ब्रिटिश-काल के स्ट्रक्चर, दीवारों पर नक्काशी, साधु डांसर्स की पेंटिंग और रिकंस्ट्रक्शन के दौरान मिली पुरानी मूर्तियां ठाणे की कल्चरल याद का एक अहम हिस्सा हैं। खास तौर पर, ब्रिटिश-काल का मेडिकल सुपरिटेंडेंट ऑफिस बहुत हिस्टोरिकल, एडमिनिस्ट्रेटिव और कल्चरल महत्व का है और इसे एक हेरिटेज स्ट्रक्चर के तौर पर बचाकर रखना चाहिए।

बयान में कहा गया है, 'अगर नए वेल इक्विप्ड हॉस्पिटल के बनने के दौरान कम से कम एक या दो पुराने स्ट्रक्चर को बचाकर रखा जाता है, तो आने वाली पीढ़ियां खुद अनुभव कर पाएंगी कि 'मेंटल हॉस्पिटल पहले कैसे हुआ करते थे'।

चॉल में गैस सिलेंडर फटने से दो लोग झुलसे

मुंबई. मुंबई के मानखुर्द क्षेत्र में हुए गैस सिलेंडर ब्लास्ट में दो लोग घायल हए हैं। घायलों का इलाज सायन अस्पताल में चल रहा है। बीएमसी की ओर से देर रात दी गई जानकारी के अनुसार इस घटना में 40 वर्षीय पृथ्वीपाल जसपाल को चेहरे, हाथ और सीने पर 30 प्रतिशत जलन हुई है। जबकि 25 वर्षीय राजेश खीचड़ का चेहरा, हाथ और पैर 25 प्रतिशत जल गया हैं। दोनों का इलाज बर्न वार्ड में चल रहा है। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

मानखुर्द इलाके में मंगलवार दोपहर करीब 4 बजे गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना हुई थी। यह हादसा जनतां नगर स्थित 30 फीट रोड पर अल मदिना होटल के पास एक चॉल में हुआ था। फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना शाम को मिली। विस्फोट के कारण चॉल के एक कमरे की छत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दो घायलों को उपचार के लिए सायन अस्पताल पहुचाया।

किश्तवाड़ में जान गंवाने वाले CISF जवानों के परिजनों को SBI का तोहफा

मुंबई. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के समन्वय से, जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में 14 अगस्त 2025 को बादल फटने की घटना के दौरान जान गंवाने वाले दो सीआईएसएफ कर्मियों के परिजनों (NoK) को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के रूप में 1-1 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी है। इनमें 7 वीं रिजर्व बटालियन, किश्तवाड़ के प्रधान आरक्षक/जीडी आनंद कुमार और प्रधान आरक्षक/जीडी एम. के. बिस्वाल को चिसोती गाँव में आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात किया गया था। जोकि गुलाबगढ़ से मचैल माता मंदिर तक 32 किलोमीटर लंबे तीर्थ मार्ग का अंतिम पड़ाव है। उनकी तैनाती के दौरान, अचानक और तेज बादल फटने से इलाके में भारी बाढ़ आ गई। खतरे को भांपते हुए, दोनों कर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना, तुरंत तीर्थयात्रियों को सचेत किया और उन्हें सुरक्षित स्थानों की ओर पहुँचाना शुरू कर दिया।

बताया जाता है कि उनकी त्वरित कार्रवाई, सतर्कता, सूझबूझ और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण ने कई तीर्थयात्रियों को समय पर सुरक्षित निकालने और अनगिनत लोगों की जान बचाने में मदद की। इस मानवीय कार्य को करते समय दोनों अचानक आई बाढ़ की तेज धारा में बह गए। दोनों कर्मियों ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके पार्थिव शरीर दो दिन बाद मिले। देश भर में 360 से अधिक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने वाला सीआईएसएफ ने सेवारत कर्मियों के साथ-साथ बलिदान देने वालों के परिवारों के कल्याण को प्राथमिकता देता है। मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, सीआईएसएफ और गृह मंत्रालय लगभग 60 लाख रुपये की एकमुश्त अनुग्रह राशि सुनिश्चित करते हैं। हालाँकि, अतिरिक्त लाभ सुनिश्चित करने के लिए, बल ने भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। CAPSP योजना के तहत, एसबीआई मृतक कर्मियों के परिजनों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के रूप में अतिरिक्त 1 करोड़ रुपये प्रदान करता है।

ठाणे महानगर पालिका ने शहर में अनाधिकृत बैनर पोस्टर हटाए

- कुल 1404 अनाधिकृत पोस्टरों पर कार्रवाई की गई

ठाणे. ठाणे मनपा आम चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद, ठाणे मनपा के अतिक्रमण विभाग के माध्यम से शहर में अनाधिकृत विज्ञापन, बैनर और पोस्टर हटाने का अभियान चल रहा है। 15 दिसंबर 2025 को शाम 4 बजे से लेकर 16 दिसंबर 2025 तक शहर में कुल 1404 अनाधिकृत पोस्टर और बैनर हटाए गए हैं। 15 जनवरी 2026 को मतदान होगा और उस संदर्भ में, शहर में लागू आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जा रहा है। चुनाव विभाग के उपायुक्त उमेश बिरारी के निर्देशानुसार, सहायक आयुक्त सोपान भाईक के मार्गदर्शन में, ठाणे मनपा क्षेत्र के 9 वार्ड समितियों के नामित अधिकारियों और सहायक आयुक्तों के माध्यम से अनधिकृत बैनर, होर्डिंग्स, पोस्टर और जन्मदिन की शुभकामना देने वाले पोस्टर हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही, महानगरपालिका की ओर से विकास कार्यों के कोनों को जनप्रतिनिधियों के नाम से ढकने की कार्रवाई की गई।

15-16 दिसंबर को की गई कार्रवाई	
नौपाड़ा-कोपरी वार्ड कमेटी	204
वागले वार्ड कमेटी	257
लोकमान्य सावरकरनगर	257
वर्तकनगर वार्ड कमेटी	275
माजीवाड़ा-मानपाड़ा वार्ड कमेटी	107
उथलसर वार्ड कमेटी	169
कलवा वार्ड कमेटी	21
मुंब्रा वार्ड कमेटी	15
दिवा वार्ड कमेटी	99

शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन पर FIR दर्ज

- नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पुलिस ने लिया स्वत: संज्ञान

शिल्पा शेट्टी और उनका रेस्टोरेंट बैस्टियन एक बार फिर से सुर्खियों में है। एक्ट्रेस के बेंगलुरु स्थित बैस्टियन रेस्टोरेंट के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ये एफआईआर नियमों के उल्लंघन की वजह से किया गया है। पुलिस ने रेस्टोरेंट के मैनेजर और स्टाफ के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। यह मामला कर्नाटक पुलिस एक्ट की धारा 103 के तहत स्वतः संज्ञान के बाद दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैस्टियन 11 दिसंबर को तय समय से अधिक यानी रात 1:30 बजे तक खुला था।

बैस्टियन के अलावा, सॉर बेरी पब के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पूरे मामले में अब तक आठ लोगों का बयान दर्ज किया गया है। बता दें कि 11 दिसंबर को ही बेंगलुरु बैस्टियन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें वायरल वीडियो में बिग बॉस के पूर्व कंटेस्टेंट और बिजनेसमैन सत्या नायडू नजर आ रहे थे। बिल चुकाने के दौरान पब के स्टाफ से इनकी बहस हो गई। फिर वो बहस झगड़े में बदल गई। हालांकि, पब स्टाफ ने फिर बीच-बचाव करके मामले को शांत किया था। विवाद बढ़ने पर सत्या ने सफाई में कहा था कि वो दोस्तों के साथ डिनर के लिए पब गए थे। बिल भरते समय कुछ दिक्कत हुई थी लेकिन इस दौरान किसी तरह की मारपीट नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने इस वायरल वीडियो के बाद ही एक्शन लिया है।

ठाणे में पानी की दिक्कत के लिए ज़िम्मेदार

कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ़ मामला दर्ज करें

ठाणे. महानगर गैस पाइपलाइन बिछाते समय ठाणे को पानी सप्लाई करने वाली पुरानी पानी की पाइपलाइन खराब हो गई। कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही की वजह से यह पानी की पाइपलाइन फट गई, जिससे ठाणे में पानी की कमी हो गई। क्योंकि इस कमी के लिए कॉन्ट्रैक्टर ज़िम्मेदार है, इसलिए उसके और एक्शन न लेने वाले एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हनमंत पांडे के खिलाफ़ केस किया जाना चाहिए, ऐसी NCP-शरद चंद्र पवार पार्टी ने मांग की है।

पिसे से टेमघर इलाके तक 1000 mm पुरानी सीमेंट पाइपलाइन भिवंडी बाईपास रंजनोली गांव के पास। 1000 mm डायमीटर की पुरानी सीमेंट पाइपलाइन से महानगर गैस की नई लाइन बिछाने का काम चल रहा है। ड्रिलिंग करते समय, मेन पानी की पाइपलाइन खराब हो गई और एक बड़ा लीक शुरू हो गया है। इस घटना की वजह से, ठाणे शहर के लोग पिछले 15 दिनों से पीने के पानी से महरूम हैं और पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। इस मामले में विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड और जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान के मार्गदर्शन में, राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कदम ने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर मामला दर्ज करने की मांग की है।

रैपिडो, ओला, उबर के खिलाफ 36 केस दर्ज

मुंबई. ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले रैपिडो, ओला, उबर के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे. राज्य परिवहन प्राधिकरण शुक्रवार को उक्त मामले को लेकर मीटिंग करने वाली है. मीटिंग में रैपिडो, ओला, उबर के लाइसेंस रद्द करने को मंजूरी दी जाएगी. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने राज्य परिवहन प्राधिकरण को ऐसे निर्देश दिए हैं. साथ ही रैपिडो, ओला, उबर के खिलाफ अब तक 36 केस दर्ज किए जा चुके हैं.

आम सूचना

मैं श्रीमती सजनी देवी दुर्गा शर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि बैरक नं. 735 के सामने, शास्त्री नगर कॉलोनी, धोबीघाट रोड, उल्हासनगर-3. हाफ पोर्शन रुम 240. स्क.फुट (टैक्स नं. 25बीओ008281200) उक्त प्रॉपर्टी श्री कुमार धनापाल मुदलियार उर्फ श्री अशोक कुमार धनापाल सेनघुनठार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.11.2021 सी.नं. 385 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सजनी देवी दुर्गा शर्मा

ठाणे में फर्जी डकैती

- 2.23 लाख गबन कर पुलिस को बनाया बेवकूफ; गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे में एक निर्माण पर्यवेक्षक ने अपने नियोक्ता की कंपनी से 2.23 लाख रुपये गबन किए और इसे पुलिस में डकैती दिखाने की साजिश रची, लेकिन पुलिस जांच में पूरा खुलासा हुआ है। साथ ही शिकायतकर्ता को अपनी कंपनी के 2.23 लाख रुपये के गबन के लिए अपराध को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, निर्माण पर्यवेक्षक सुशांत दशरथ मोहिते ने दावा किया था कि खाकी वर्दी पहने दो लोगों ने उन्हें रोका और उनके वाहन के दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान जबरन 2.23 लाख रुपये ले लिए।

सुशांत दशरथ मोहिते ने 8 दिसंबर को काशीगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि खाकी वर्दी पहने दो लोगों ने चेनागांव सिग्नल के पास उन्हें रोका, उनके वाहन के दस्तावेजों की जांच की और चुनाव जांच के बहाने उनके स्कूटर के ट्रंक से जबरन 2.23 लाख रुपये ले लिए।

इसके बाद पुलिस में मामला दर्ज किया गया। पुलिस की अपराध जांच इकाई ने मामले की गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान दशरथ मोहिते के आरोपों पर संदेह हुआ। जांच दल को उस व्यक्ति द्वारा बताई गई घटनाओं में विसंगतियां मिलीं। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच की। इस दौरान पता चला कि किसी तरह की कोई डकैती नहीं हुई है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099